COURSE :- MASTER OF LIBRARY AND INFORMATION SCIENCE (MLIS)

PAPER :- 5RD

(INFORMATION SERVICES, PRODUCTS & THEIR MARKETING)

TOPIC :- TRANSLATION SERVICES

(अनुवाद सेवाएँ)

उद्देश्य :- इस पाठ में अनुवाद की आवश्यकता, इसके प्रकार, भारत में उपलब्ध यह सेवाएँ एवं इसमें आने वाली समस्या बताना है।

PREPARED BY :- DINESH SINGH, CHIEF COORDINATOR, LIBRARY SCIENCE, NOU

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

6. अनुवाद सेवाएँ
(Translation Services)

सूचना प्रसार के मार्ग में जो घटक व्यवधान स्वरूप बीच में आते हैं वे समय, स्थान एवम् भाषा होते हैं। प्रथम दो घटक अर्थात समय एवम् स्थान की दूरी लगभग नगण्य हो चुके हैं किन्तु भाषा की समस्या एक गम्भीर समस्या अब भी बनी हुई है। भाषा की इस समस्या को **अनुवाद सेवाओं** के माध्यम से

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

हल किया जा सकता है। अनुवाद सेवाओं के आयोजन हेतु अनेक स्तर पर प्रयास किए जाते हैं और विश्व के अनेक ग्रन्थालयों एवम् सूचना केन्द्रों में अनुवाद सेवाओं का आयोजन किया जाता है।

अनुवाद क्या होता है ? (What is Translation) :

किसी भाषा में प्रकाशित किसी आलेख/प्रलेख का किसी दूसरी भाषा में रूपान्तरण करना अनुवाद कहलाता हैं। अनुवाद के द्वारा किसी अमुक भाषा में जिसे स्त्रोत भाषा (Source Language) कहते हैं उल्लिखित एवम् व्यक्त विचारों को किसी दूसरी भाषा जिसे लक्षित भाषा (Aimed Language) कहते हैं में व्यक्त किया जाता है । इस प्रकार किसी भाषा की सामग्री का किसी अन्य भाषा में सदृश्य सामग्री के रूप में रूपान्तरण को **अनुवाद** कहते हैं।

अनुवाद के प्रकार (Kinds of Translations) :

अनुवाद दो प्रकार का हो सकता है स्रोत भाषा की अभिव्यक्ति को पूर्णत: शब्दश:, अक्षरश: एवम् अर्थत: अनुवाद करना **शाब्दिक अनुवाद** कहलाता है। दूसरे प्रकार का अनुवाद स्त्रोत भाषा की सामग्री को लक्षित भाषा में भावार्थ के रूप में अनुवाद करना होता है इसे भावार्थ कहते हैं। इस प्रकार के अनुवाद संकुचित एवम् विस्तृत दोनों हो सकते हैं । लेकिन विज्ञान एवम् प्रौद्यागिकी के क्षेत्र में सूचना के प्रचार एवम् प्रसार की दृष्टि से अनुवादों को दो श्रेण्यिों में विभाजित किया जा सकता है।

(अ) तदर्थ अनुवाद (Adhoc Translation) — तदर्थ अनुवाद के अन्तर्गत सामान्यता अनुसंधान पत्रिकाओं में प्रकाशित व्यक्तिगत आलेखों के कुछ चयनित प्रलेखों को सम्मिलित किया जाता है। इस प्रकार के अनुवाद की कुछ अपनी विशेषताएँ होती हैं। इस-प्रकार के अनुवाद करने में समय, श्रम व धन की बचत होती है और अनुवाद किए हुए चयनित आलेखों में से उपयोक्ताओं द्वारा वान्छित आलेखों के चयन करने में कोई कठिनाई नहीं होती है लेकिन किस आधार पर आलेखों का चयन अनुवाद के लिए किया जाना चाहिए और उसे कौन चयन करे, ये विचारणीय प्रश्न होते हैं।

तदर्थ अनुवाद में समय, श्रम एवम् धन की बचत होती है तथा चयनित अनुवाद में अध्ययनकर्त्ता को कोई कॉट-छाँट करने की आवश्यकता नहीं होती

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

है। इस प्रकार के अनुवाद में अनुवादक द्वारा पहले से की गई कॉट-छाँट अध्ययनकर्ता का समय बचाती हैं तथा वाञ्छित लाभ भी पहुँचाती है।

(ब) सम्पूर्ण अनुवाद (Complete Translation) — इसके अन्तर्गत पत्रिकाओं का अनुवाद मुखपृष्ठ से लेकर अन्तिम पृष्ठ तक का सम्पूर्ण अनुवाद किया जाता है। इस प्रकार के अनुवाद से किसी देश में हो रहे वैज्ञानिक अनुसंधान की सामग्रियों से दूसरे देशों के वैज्ञानिकों को अवगत एवम् अद्यतन रखने में अत्यधिक सुविधा होती है। इससे दूसरे देशों एवम् भाषाओं के वैज्ञानिकों को अन्य देशों की वैज्ञानिक शोध प्रगति से प्रेरणा भी मिलती है। सम्पूर्ण अनुवाद में चयनात्मक दृष्टि से अनुवाद नही किया जाता है। पत्रिकाओं के स्तरीय प्रलेखों को ही अनुवाद हेतु महत्वपूर्ण माना जाता है।

इस प्रकार के अनुवाद में मूल प्रलेख का प्रथम पृष्ठ से अन्तिम पृष्ठ तक अनुवाद किया जाता है जिसके कारण अनुवादक द्वारा कुछ सार्थक ज्ञान कट जाने का खतरा नहीं रहता और अध्ययनकर्त्ता को प्रलेख में निहित ज्ञान का अक्षरश: अवलोकन करने का अवसर प्राप्त होता है। इस प्रकार के अनुवाद की यही सीमा है कि इसमें समय, श्रम व धन की अधिक हानि होती है क्योंकि इसमें सम्पूर्ण प्रलेख का अनुवाद किया जाता है।

(स) कम्प्यूटर अनुवाद (Computer Translation) — कम्प्यूटर अनुवाद में मूल तथा लक्षित भाषाओं को कम्पयूटर में निवेशित कर दिया जाता है इसके बाद जैसे ही किसी प्रलेख का अनुवाद करने की आवश्यकता होती है तो कम्प्यूटर प्रत्येक शब्द तथा उसके विभिन्न सम्बन्धों से तुलना कर पूर्व से ही संग्रहीत भाषा-कोश से अनुवाद की भाषा में पाठ्य-सामग्री मुद्रित कर देता है। लेकिन कम्प्यूटर अनुवाद की अपनी कुछ सीमाएँ हैं जैसे ऐसे शब्द जिनकी वर्तनी समान है किन्तु अर्थ भिन्न-भिन्न है उसे कम्प्यूटर आसानी से नही पहचान सकता है।

अनुवाद सेवाओं की आवश्यकता (Need of Translation Services)

अब प्रश्न उठता है **अनुवाद सेवाओं** की ग्रन्थालयों में क्यों आवश्यकता होती है ? आज सूचना के संग्रहण एवम् सम्प्रेषण के लिए अनेक भाषाएँ उभर कर सामने आई हैं जो मुख्यत: विज्ञान एवम् प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनवरत रूप

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

से हुए अनसंधान का परिणाम है। आज वैज्ञानिक साहित्य विश्व की लगभग 70 भाषाओं में प्रकाशित होता है जिनमें अँग्रेजी, जर्मन, फ्रेन्च, रूसी, जापानी, चीनी, तथा अन्य यूरोपीय भाषाएँ प्रमुख हैं लेकिन कोई भी वैज्ञानिक इन सभी भाषाओं का ज्ञाता नहीं हो सकता है। ग्रेट ब्रिटेन में इस सम्बन्ध में उसके वैज्ञानिकों पर एक सर्वेक्षण किया गया जिसमें यह बात स्पष्ट हुई कि प्रत्येक 10 वैज्ञानिकों में से केवल एक ही ऐसा था जो रूसी भाषा के ग्रन्थ समझ व पढ़ सकता था। तीन वैज्ञानिकों में से 2 जर्मन समझ सकते थे तथा 10 में से 9 केवल फ्रेन्च भाषा जानते थे। इस प्रकार हम समझ सकते हैं कि वैज्ञानिकों में कोई भी ऐसा नहीं है जिसे दो से अधिक विदेशी भाषाओं का पूर्ण एवम् कामचलाऊ ज्ञान हो। ऐसी स्थिति में अनुवाद सेवाएँ ही इन लोगों की सेवा कर सकती हैं। इसलिए ग्रन्थालयों, सूचना केन्द्रों आदि में अनुवाद सेवाओं का आयोजन किया जाता है।

भारत में अनुवाद सेवाएँ (Translaton Services in India) – भारत जैसे विकासशील राष्ट्र के लिए यह आवश्यक है कि वह विश्व में प्रकाशित पूर्ण वैज्ञानिक साहित्य का उचित लाभ प्राप्त करे। किन्तु विविध भाषाओं में प्रकाशित बढ़ते हुए साहित्य को देखकर अनुवाद सेवाओं के आयोजन के बिना यह सम्भव नहीं है। भारत में इस समय अनेक संस्थाओं द्वारा अनुवाद कार्य किए जा रहे हैं जिनमें इन्सडॉक, आइजिलिक, डेसीडॉक, भारतीय विज्ञान संस्थान, भारतीय सांख्यिकीय संस्थान तथा भारतीय वैज्ञानिक अनुवाद संघ आदि प्रमुख है।

इसके अतिरिक्त निम्न संस्थाएँ भी उपयोक्ताओं को अनुवाद सेवाएँ प्रदान कर रही हैं :-

1. भारतीय एटोमिक रिसर्च सेन्टर, बम्बई ।
2. भारत हैवी इलैक्ट्रीक्ल्स लिमिटेड, हैदराबाद ।
3. ऑइल एण्ड नेचुरल गैस कमीशन, देहरादून ।
4. रेलवे रिसर्च एण्ड स्टेण्डर्ड ऑर्गनाइजेशन, लखनऊ ।
5. इन्डियन इस्टीट्यूट ऑफ टैक्नॉलाजी, देहली, कानपुर, मद्रास ।

भारतीय वैज्ञानिक अनुवादक संघ (ISTA) भी भारत में अनुवाद सेवाओं में अपनी भूमिका निभा रहा है। इस संघ को अन्तर्राष्ट्रीय सम्बद्धता प्राप्त है इस संघ द्वारा 1965 से मिमियोग्राफ रूप में **स्टा बुलेटिन ISTA Bulletin** प्रकाशित की जाती है। 1972 में इस बुलैटिन का नाम परिवर्तित कर Journal

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

of ISTA कर दिया गया । यह संघ अपने निम्न प्रकाशन भी करता है।

(a) National Survey of Translation needs of India, 1982.

(b) Proceedings of the 20th Aniversary Conference on Problems and Prospects of Sciencetific and Technical Trranslations,1987.

(c) Union Catalogue of cover to cover translated periodicals, CSIR, 1988.

भारत में अनुवाद की समस्याएँ (Translation Problems)

भारत में अनेक समस्याएँ अनुवादों के आयोजन से सम्बन्धित आती हैं। वे निम्न हैं -

1. **अनुवादकों की योग्यता में कमी** — भारत में अनुवादकों के जो पैनल हैं उनमें अनुवादकों की योग्यताएँ उत्तम नहीं हैं क्योंकि उन्हें अँग्रेजी के अतिरिक्त अन्य विदेशी भाषाओं का ज्ञान नहीं है।

2. **अनुवाद प्राप्त होने में विलम्ब** — भारत में अनुवादकों द्वारा अनुवाद करने में अधिक समय ले लिया जाता है क्योंकि उन्हें अधिकांश विदेशी भाषाओं का ज्ञान नहीं है।

3. **पैनलों में शीघ्र परिवर्तन** — संस्थाओं में जैसे इन्सडॉक, डेसीडॉक आदि में अनुवादकों का पैनल मात्र दो वर्ष में बदल दिया जाता है। अत: जब तक ये अनुवादक निपुण होते हैं तब तक उनका नाम पैनल में से हटा दिया जाता है।

4. **संस्थाओं का अभाव** — राष्ट्रीय स्तर पर इन्सडॉक तथा आइस्लिक तथा क्षेत्रीय स्तर पर भारतीय विज्ञान संस्थान तथा सांख्यिकी संस्थान ही अनुवाद सेवाएँ प्रदान करते हैं। इसलिए संस्थाओं का अभाव भी अनुवाद की एक समस्या है।

5. **विशेष योग्यता** — यदि अनुवादक विषय-विशेषज्ञ होता है तो उसमें भाषा की प्रवीणता नहीं होती किन्तु भाषा की प्रवीणता होने पर वह अपने विषय क्षेत्र में अधिक ज्ञान नहीं रख पाता है अत: तकनीकि एवम् वैज्ञानिक शब्दों को सटीक व्यक्त करना सम्भव नहीं हो पाता है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

अनुवाद सेवाओं के अन्तर्राष्ट्रीय केन्द्र एवम् उपकरण (Pools and Tools of Translations)

अनुवाद सेवाओं के आयोजन हेतु अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अनेक अनुवाद केन्द्रों, अनुवाद संघों, अनुवाद बैकों तथा अनुवाद पत्रिकाओं की व्यवस्था की जाती है जिन्हें अनुवाद सेवाओं के **केन्द्र एवम् उपकरण** (Pools and Tools) कहते हैं जो निम्न प्रकार हैं -

(अ) अनुवाद केन्द्र (Translation Pools) :

अँग्रेजी अनुवादों की दृष्टि से निम्नांकित तीन केन्द्र विज्ञान एवम् प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अधिक प्रसिद्ध हैं-

1. राष्ट्रीय अनुवाद केन्द्र (NTC) — इस अनुवाद केन्द्र की स्थापना 1953 में एक सहकारी संस्था के रूप में शिकागो (अमेरिका) में की गई थी जिसका संचालन स्पेशल लाइब्रेरी एसोसियेशन (SLA) द्वारा किया जाता है। यह केन्द्र अनुवाद से सम्बन्धित कई प्रकाशन भी करता है। इस केन्द्र का मुख्य उद्देश्य नवीन वैज्ञानिक एवम् तकनीकि आलेखों एवम् प्रलेखों का अनुवाद उपलब्ध कराना है।

2. ब्रिटेन के अनुवाद केन्द्र — ब्रिटेन के राष्ट्रीय ग्रन्थालय का आदान-प्रदान विभाग अनुवादों का एक विशाल संग्रह केन्द्र है। यह केन्द्र भी निम्न प्रकाशन करता है -

BLLD Announcement Bulletin.

BLLD Review (Quarterly).

3. अन्तर्राष्ट्रीय अनुवाद केन्द्र — इस केन्द्र की स्थापना 1960 में यूरोपियन ट्रान्सलेशन सेन्टर के नाम से की गई थी जो नीदरलैण्ड में डेल्फ्ट में कार्यरत है। 1975 में इस केन्द्र का नाम परिवर्तित कर **इण्टरनेशनल ट्रान्सलेशन सेन्टर** कर दिया गया है। अनुवाद कार्य में इस केन्द्र का क्षेत्र अन्तर्राष्ट्रीय है। यह केन्द्र **वर्ल्डट्रान्स इन्डेक्स** पत्रिका का प्रकाशन भी 1978 से कर रहा है तथा **BLLD** की सहायता से Journals in Translation का भी प्रकाशन करता है।

(ब) अनुवाद उपकरण (Translation Tools) :

जो पत्रिकाएँ अनुवाद से सम्बन्धित प्रकाशित होती हैं वे अनुवाद के उपकरण कहलाती हैं।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

1. **ट्रान्सटम बुलैटिन** — यूरोपियन एटॉमिक इनर्जी कम्यूनिटी द्वारा इस पत्रिका का प्रकाशन किया जाता है जिसमें पाश्चात्य देशों के अध्येताओं की अपरिचित भाषा में प्रलेखों के अनुवाद प्रतियों की सूचना संग्रह की जाती है।

2. **इन्डेक्स ट्रान्सलेशन** — यह पत्रिका यूनस्को द्वारा प्रकाशित की जाती है जो अनूदित पुस्तकों की विश्व की एक वृहत सूचना स्रोत है इसका प्रकाशन 1947 से किया जा रहा है।

3. **वर्ल्ड ट्रान्स इन्डेक्स** — अन्तर्राष्ट्रीय अनुवाद केन्द्र (ITC) इस पत्रिका का प्रकाशन करता है।

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner